

प्रेषक,

डा० हेमलता ढौड़ियाल,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
पिथौरागढ़/उत्तरकाशी/चमोली,
उत्तराखण्ड।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 21 अप्रैल, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु जिला योजना "कार्डिंग/वीविंग प्लान्टों का सुदृढीकरण" में धनराशि स्वीकृत किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या 267/XXVII(1)/2008, दिनांक 27 मार्च, 2008 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उद्योग विभाग, उत्तराखण्ड को वित्तीय वर्ष 2008-2009 हेतु आयोजनागत पक्ष के ट्राइवल सब प्लान के अधीन जिला योजना कार्डिंग/वीविंग प्लान्टों का सुदृढीकरण के अन्तर्गत जनपद पिथौरागढ़ हेतु ₹0 8.00 लाख, जनपद उत्तरकाशी हेतु ₹0 4.30 लाख तथा जनपद चमोली हेतु ₹0 1.00 लाख अर्थात् कुल धनराशि ₹0 13.30 लाख (₹0 तेरह लाख तीस हजार मात्र) व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि आपके निर्वर्तन पर इस आशय से रखी जा रही है कि धनराशि के व्यय की प्रशासनिक/वित्तीय स्वीकृति शासनादेश संख्या: 267/XXVII(1)/2008, दिनांक 27 मार्च, 2008 में उल्लिखित प्राविधानों के अन्तर्गत प्राप्त की जायेगी। व्यय में मितव्ययता नितांत आवश्यक है तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिससे व्यय करने पर बजट मैनुअल अथवा वित्तीय हस्तपुरितका के नियमों का उल्लंघन होता हो, व्यय उन्हीं मदों में किया जाये जिसमें धनराशि स्वीकृत की जा रही है। व्यय करते समय स्टोर चर्ज रूल्स/टेन्डर/कोटेशन/डी0जी0एस0एण्ड डी0 के नियमों का भी अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग दिनांक: 31.03.2009 तक उपयोग कर लिया जायेगा। वर्षान्त तक स्वीकृत धनराशि का नदवार विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। व्यय के पश्चात यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे दिनांक 31.03.2009 तक शासन को समर्पित किया जायेगा।

4- स्वीकृत की जा रही धनराशि का मासिक व्यय विवरण शासन को प्रत्येक माह प्रेषित किया जायेगा।

5- धनराशि के आहरण के पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि ये जिला योजना के अन्तर्गत आवंटित प्लान परियोजना के अन्तर्गत हो और जिला योजना में अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित जनपदवार परियोजना के अनुरूप ही हो।

6- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के अनुदान संख्या-31 लेखाशीर्षक 2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 103-हथकरघा उद्योग, 03-कार्डिंग/बीविंग प्लान्टों का सुदृढीकरण-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

7- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 267/XXVII(1)/2008 दिनांक 27 मार्च, 2008 के प्रस्तर-5 में इंगित निर्देशानुसार निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीया

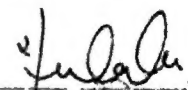
(डा० हेमलता ठाडियाल)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 1801(1)/VII-2-08/100-उद्योग/03, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, सम्बन्धित जनपद।
3. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
4. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. निदेशक उद्योग, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमाऊँ मण्डल, नैनीताल।
7. प्रबन्धक/प्रभारी महाप्रबन्धक, पिथौरागढ़/उत्तरकाशी/चमोली।
8. अपर सचिव, नियोजन, उत्तराखण्ड शासन।
9. अपर सचिव, वित्त (बजट), उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 10. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड।
12. वित्त अनुभाग-2
13. गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,


(डा० हेमलता ठाडियाल)
अपर सचिव।